

समय : 15 मिनट

हिन्दी आलोचना - 03

अंक : 10

1. रसासिद्धान्त में पूर्ण निष्ठा रखने वाला आलोचक कौन है ?
 a) डॉ. नामवर सिंह b) सुखितलोष c) डॉ. नगेन्द्र d) अश्वमेध
2. "डॉ. नगेन्द्र रसचेता तथा रस द्रव्य हैं।" किसने कहा ?
 a) जयशंकर प्रसाद b) निशला c) महादेवी वर्मा d) पंत
3. 'भारतीय चिन्ता का स्वाभाविक विकास' डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी के किस ग्रंथ का भाग है ?
 a) हिन्दी साहित्य की भूमिका b) हिन्दी साहित्य का आदिकाल
 c) महाभारतीय धर्मशास्त्र d) नाव्य सम्प्रदाय
4. "कुठल की प्रेरणा प्रथम श्रेणी के काल्य को जन्म नहीं दे सकती।" किसने कहा है ?
 a) नागार्जुन b) डॉ. नगेन्द्र c) अश्वमेध d) शमावल्लास शर्मा
5. 'अरस्तू का काल्यशास्त्र' आलोचनात्मक कृति का लेखक कौन है ?
 a) आश्वमेध b) इन्द्रनाथ मदन c) डॉ. नगेन्द्र d) डॉ. नामवर सिंह
6. 'नयी समीक्षा : नर सन्दर्भ' आलोचनात्मक कृति का लेखक कौन है ?
 a) अश्वमेध b) सुखितलोष c) अशोक वाजपेयी d) डॉ. नगेन्द्र
7. 'साकेतः एक महयमन' किसकी रचना है ?
 a) रामचन्द्र शुक्ल b) देवराज c) डॉ. नगेन्द्र
 d) इलानन्द जोशी

निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का प्रकाशनकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन-सा है ?

- a) सुमित्रानन्दन पंत, आधुनिक हिन्दी नाटक, विचार और अनुभूति
- b) विचार और अनुभूति, आधुनिक हिन्दी नाटक, सुमित्रानन्दन पंत
- c) आधुनिक हिन्दी नाटक, सुमित्रानन्दन पंत, विचार और अनुभूति
- d) विचार और अनुभूति, सुमित्रानन्दन पंत, आधुनिक हिन्दी नाटक

9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचनात्मक कृतियों का सही क्रम है :

- a) हिन्दी साहित्य का इतिहास, भ्रमरगीत सार, जायसी ग्रन्थावली, तुलसी ग्रन्थावली
- b) तुलसी ग्रन्थावली, जायसी ग्रन्थावली, भ्रमरगीत सार, हिन्दी साहित्य का इतिहास
- c) जायसी ग्रन्थावली, तुलसी ग्रन्थावली, हिन्दी साहित्य का इतिहास, भ्रमरगीत सार
- d) भ्रमरगीत सार, हिन्दी साहित्य का इतिहास, जायसी ग्रन्थावली, तुलसी ग्रन्थावली

10. "कावेता का सम्बन्ध ब्रह्म की व्यक्त सत्ता से है।" - यह कव्यन किस आलोचक का है ?

- a) डॉ. नगेन्द्र
- b) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- c) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- d) डॉ. रामाविलास शर्मा